



इश्क विश्क प्यार वयार और लम्बा इन्तजार-4

“मैंने अपनी गर्लफ्रेंड से गुप्त शादी कर ली. लेकिन कुछ समय बाद उसके घर वालों ने उसकी शादी किसी और से कर दी. शादी के बाद जब वो मायके आयी तो मुझसे क्या बातें हुई उसकी ? ...”

Story By: Ravi khana (ravikhana)

Posted: Friday, February 15th, 2019

Categories: इंडियन बीवी की चुदाई

Online version: इश्क विश्क प्यार वयार और लम्बा इन्तजार-4

इश्क विश्क प्यार व्यार और लम्बा

इन्तजार-4

दोस्तो, मैं आपका रवि खन्ना फिर से अपनी सच्ची कहानी इश्क विश्क प्यार व्यार और लंबा इंतजार का अगला पार्ट लेकर हाजिर हूँ.

जैसा आपने मेरी कहानी के तीसरे भाग

इश्क विश्क प्यार व्यार और लम्बा इन्तजार-3

में पढ़ा था कि मोनिका की शादी हो गई थी. मेरा मन अब किसी काम में नहीं लगता था. मैं घर पर खाली बैठा रहता था. कोई जॉब भी नहीं करता था. मैंने जॉब ढूढने की कोशिश ही नहीं की.

शादी के बाद मोनिका घर आई. जब मुझको पता चला कि वो आई हुई है, तो मौका देख कर मैंने उसको कॉल किया. वो कॉल पर रोने लगी. मैंने उसको समझाया और उसकी ससुराल के बारे में जानना चाहा, तो उसने बताया कि उधर सब चूतिये भरे हुए हैं. उसका पति उससे कम पढ़ा लिखा था. वो एक लोकल कंपनी में कांटेक्ट बेस पर 12000 सैलरी पर काम करता था. उसको मोनिका से कुछ नहीं, बस दिन रात सेक्स चाहिए था.

जब मैंने मोनिका से पूछा कि वो तुम्हारे साथ बेड पर कैसा है ?

तब उसने बताया- साला झड़ने में बहुत टाइम लेता है. उसे झेल पाना मेरे बस की बात नहीं है. उसके साथ बहुत दर्द भी होता है, इतना पेन तो तुम्हारे साथ कभी नहीं हुआ. उसके साथ सेक्स करते टाइम चुत में बच्चेदानी तक में बहुत दर्द होता है.

मैंने पूछा- उसका हथियार क्या मेरे से भी ज्यादा बड़ा है ?

मोनिका- नहीं.. पर शायद तुम्हारे लंड से मोटा ज्यादा है.

मैंने पूछा- उसके साथ सेक्स करते टाइम मेरी याद नहीं आई ?

तो बोली- एक बार उसने मुझको अपनी जांघों पर बिठा कर चोदा तुम्हारी तरह, तब बहुत दर्द हो रहा था. तब मैंने उससे तुमको याद करके बोल दिया था कि बस रुको रवि. ये बोलते ही मैं घबरा गई, पर उसने मजे मजे में ये सुना ही नहीं था. मैं बच गई थी.

उस दिन के बाद मेरी और मोनिका की बात लेट रात को जब होती थीं, जब उसकी बातें अपने पति से खत्म हो जाती थीं. उसने मुझे फोन पर भी बताया कि उसके पति को तो बस सेक्स चाहिए, मुझसे रात को 9 बजे चुदाई करके सोएगा. फिर 12 बजे उठ कर दुबारा से चुदाई चाहिए. उसको मना करो, तो नाराज़ हो जाएगा. बात नहीं करेगा और कई दिन तक खाना नहीं खाएगा. सेक्स करते टाइम वो मुझे टॉचर भी करता है, साले का जहाँ दिल करता, वहाँ मुझे खा जाता है. मेरी कभी तारीफ भी नहीं करेगा, बस उसे तो सेक्स चाहिए.

मैं उसकी बात सुने जा रहा था.

वो बोली- रवि, मेरी तारीफ करो प्लीज.

तो मैंने उसके हर अंग की तारीफ की.

मैंने उसको मिलने को कहा.

तब वो बोली- मैं अभी सेक्स कर करके परेशान हो गई हूँ ... कुछ दिन रुको. तुम्हारे पास आने का मन तो मेरा भी है, पर अभी नहीं. दस दिन बाद मिलूंगी. मेरा पति जॉब के लिए मंसूरी जा रहा है. वो कल मुझको लेने आ रहा है. फिर दस दिन बाद चला जाएगा. तब मैं वापस आकर तुमसे मिलती हूँ.

मोनिका चली गई. वहाँ जाकर उसने मुझे कोई मैसेज भी नहीं किया. कॉल भी नहीं आई.

न्यू ईयर आने वाला था मैंने सोचा कि ये मुझे विश करेगी, पर उसने नहीं किया.

मुझको गुस्सा आया, तो मैंने व्हाटसैप पर उसे मैसेज कर दिए. वो नाराज़ हो गई कि

ज्यादातर फ़ोन उसके पति के पास ही रहता है.

मैं भी गुस्सा हो गया- तू विश भी नहीं कर सकती. इतना टाइम भी नहीं तेरे पास ?
उसने मेरा फोन काट दिया.

इसके बाद फिक्स डेट को उसका पति मंसूरी चला गया. मोनिका अपने वायदे के अनुसार घर वापस आ गई, पर उसने मुझको कॉल नहीं किया.

वो रात को 11-12 बजे तक ऑनलाइन रहती है, पर तब भी वो मुझको मैसेज नहीं करती. फिर परेशान होकर मैंने खुद ही मैसेज कर दिया. वो गुस्से में थी कि मैंने मैसेज क्यों किया. मैंने माफी मांग ली, पर वो मिलने की मना करने लगी. उसकी बातों से लगने लगा जैसे वो सब खत्म करना चाहती थी.

मैंने उससे रिक्वेस्ट करके उससे मिलने के लिए फ़ोर्स किया. उसने अगले दिन की हां कर दी, पर सेक्स नहीं करेंगे इस शर्त पर उसने हां की.
मुझको बस उसके साथ कुछ पल चाहिए थे.

तो अगली सुबह उसकी कॉल आई कि वो घर से निकल चुकी है. मैं अपनी कार लेकर उसके पीछे पीछे गया. वो ऑटो से उतरी और मेरी कार में बैठ गई.

मैंने पूछा- कैसी हो ?

वो बोली- ठीक हूँ.

गिले शिकवे साझा हुए.

उसने कहा- हम ज्यादा दिन साथ नहीं रहे पाएंगे क्योंकि वो मुझको अकेला नहीं छोड़ता, हर वक्त कॉल करता रहता है. फोन नहीं उठाओ, तो पापा से बात करके मुझसे बात करने को बोलता है.

ये सब बताते बताते वो रोने लगी.

इतने में वो होटल आ गया था, जहाँ मैंने रूम बुक कराया हुआ था. रूम में अन्दर जाकर उसने अपना मुँह धोया और बिस्तर पर बैठ गई.

तब मैंने उससे पूछा- क्या दिक्कत है ?

उसने कहा- वो मुझको छोड़ता ही नहीं है, तुमको टाइम कैसे दूँ.

मैंने कहा- तो क्या चाहती हो ?

उसने कहा- ये रिश्ता खत्म करना.

मैंने कहा- और जो हमारी शादी हुई थी ?

उसने कहा- वो तब खत्म हो गई, जब मेरे पति ने मुझे अपना मंगलसूत्र पहनाया था.

‘आज लास्ट बार तुमको समझने मिलने आया हूँ.’

इस तरह मैं भी मोनिका के सामने खूब रोया और वो भी अपनी बातें बता कर रोई.

मैंने उसको खूब मनाया, पर वो नहीं मानी. मैंने सोचा कि शायद इसे जब फिर से चोद लूँगा, हम दो जिस्म एक जान हो जाएंगे, तब शायद ये मान जाएगी.

यह सोच कर मैंने उसको चुप कराने के बहाने गले से लगाया. उसे किस करने के पकड़ा, जिसकी वजह से मेरा मुँह उसकी गर्दन पर आ गया था. मेरी छाती से उसकी चूचियों से सटी हुई थीं. मेरी जांघें उसकी जांघों से सटी हुई थीं. मेरा लंड उसकी चूत पर दस्तक दे रहा था जो उसकी गर्म बॉडी से टच होकर खड़ा हो चुका था. शायद मोनिका भी मेरे लंड को महसूस कर चुकी थी. मेरा लंड मानो उसकी चुत से अन्दर जाने की इजाजत मांग रहा था.

मोनिका मुझसे दूर होने की नाकाम कोशिश कर रही थी क्योंकि वो भी ये बर्दाश्त नहीं कर पा रही थी. जब मेरा ये हाल था, तो उसका भी वही होगा, जो वो शायद आज नहीं होने देना चाहती थी.

मैंने मौका देख कर उसके होंठों पर अपने होंठों रख दिये और लगभग जबरदस्ती किस करने

लगा. उसने जल्दी से अपने होंठों को मुझसे अलग किया और मुझसे दूर हो गई. उसने साफ साफ मना किया कि अब हम ये नहीं कर सकते. मैं दो दो के साथ ये सब नहीं कर सकती. मैं रंडी नहीं हूँ.

मैं उसे मना कर गले लगाने की कोशिश करता रहा, पर वो नहीं मानी. बार बार मुझको अलग करती रही. उसको पता था कि यदि वो मेरे ज्यादा करीब आई, तो वो खुद अपने आप पर काबू नहीं रख पाएगी.

मैं भी ये अच्छी तरह समझ रहा था.

फिर मैंने एक चाल चली. मैं बोला- ठीक है ... आज आखिरी बार हम मिल रहे हैं.

वो बोली- हां.

मैंने कहा- तो ठीक है मुझको आखिरी बार तुमको महसूस करना है.

उसने कहा- कैसे ?

मैंने कहा- तुमको छू कर.

उसने कहा- पर कपड़ों के ऊपर से ही.

मैंने कहा- ओके... पर मैं कुछ करूँ, तो तुम मुझको रोकोगी नहीं.

उसने कहा- ओके.

हमारा दस मिनट का समय तय हुआ था.

वो अपना फोन हाथ में लेकर टाइम देखने के लिए दीवार से लग कर खड़ी हो गई. मैं उसके पास गया. वो अपने फोन में टाइम देख रही थी. मुझको पता था कि अपनी बीवी को किस वीक पॉइंट से पकड़ना है.

मैंने सीधा घुटनों के बल बैठ कर अपने हाथों से उसकी जांघों को सहलाया. उस पर कोई असर नहीं दिखा. तब मैंने अपना मुँह उसकी दोनों जांघों के बीच में डाल कर उसकी जांघों को किस करने लगा. फिर अपनी जीभ उसकी चुत पर ऊपर नीचे की. कपड़ों के ऊपर से ही

उसकी चूत पकड़ कर अपने मुँह में दबा ली और उसको चूसता गया. साथ ही मैं अपने हाथ पीछे ले जाकर उसके दोनों चूतड़ों को भी सहलाता रहा.

कुछ टाइम बाद मोनिका का एक हाथ मेरे सर के बालों को सहलाने लगा था. फिर धीरे धीरे जैसे जैसे मैं मोनिका की चूत को अपने मुँह में भर कर कभी चूसता, कभी दांतों से काटता, वैसे वैसे मोनिका का जो हाथ, मेरे बालों को सहला रहा था, अब वो मेरे बालों को पकड़ कर मेरा सर अपनी चुत में डालने की कोशिश कर रहा था.

मेरा ध्यान तब टूटा, जब मोनिका के हाथ में रखा फ़ोन उसके हाथ से छूट कर मेरे सिर पर गिर गया.

मैंने मुँह हटाया और ऊपर देखा तो मोनिका का चेहरा लाल हो गया था. उसकी आंखें बंद थीं. वो फोन के लिए बोली- सॉरी..

उसका फोन उठा कर मैंने टाइम देखा जिसमें पांच मिनट एक्स्ट्रा यानि हमें पंद्रह मिनट हो चुके थे. मैंने देखा कि मोनिका की चूत के आस पास का कपड़ा पूरा गीला हो चुका था.. और उसकी चुत से चिपका हुआ था. उसमें से मोनिका की चुत की पोजीशन साफ दिख रही थी.

फिर मैं उठा और मोनिका को बोला- सॉरी कुछ मिनट अधिक हो गए.

मोनिका हल्का सा हंसी और उसने अपनी आंखें खोलीं.

उसकी चूत को कपड़े के ऊपर से ही चूसने के बाद मैंने उठते हुए कहा – सॉरी यार कुछ मिनट ज्यादा हो गए.

तब वो हंसी और उसने अपनी आंखें खोल दीं.

मैं जाने लगा, तो वो पीछे से मुझसे गले लग गई और सॉरी सॉरी बोल कर उसने मुझको कस के पकड़े रखा.

अब मैं इतना सख्त मिजाज लड़का तो हूँ नहीं कि मेरी जान, मेरी बीवी ... जो इतनी सुंदर दिल और जिस्म की मालकिन है, उससे ज्यादा देर दूर रह सकूँ.

मैं पलटा और मोनिका को अपनी बांहों में भर कर उसको किस करने लगा. वो भी मेरी किस का जबाव मुझको किस करके ही दे रही थी. चूमते चूमते ही मैंने अपने हाथ पीछे ले जाकर उसकी सलवार के अन्दर डाल दिए, जो इलास्टिक वाले इजारबंद वाली थी. मैंने उसकी पेंटी के ऊपर से ही उसके दोनों गोल गोल चूतड़ों को पकड़ा और मसलने लगा. वो भी कामुक सिस्कारियां लेने लगी.

मैं यह मौका नहीं गंवाना चाहता था. इसलिए मैंने मोनिका की सलवार किस करते करते ही उसकी घुटनों तक उतार दी, जिसका उसने कोई विरोध नहीं किया. फिर मैं उसको उठा कर बेड पर ले गया और उसको लिटा दिया. अब मैंने उसका कुर्ता भी उतार दिया.

वो लाल ब्रा और लाल पेंटी में बिल्कुल गुलाब के फूल जैसी लग रही थी. मैंने उसकी ब्रा उतारी, तो मोनिका की चुचियां पहले से कुछ ज्यादा बड़ी लगीं, मैंने उससे कुछ नहीं पूछा. फिर मैं उसकी पेंटी उतारने लगा, तब मोनिका बोली- रुको.

उसने उठ कर पहले अपना मंगलसूत्र उतारा और बोली- लो, अब मैं तुम्हारी पहले वाली मोनिका हूँ.

मैं यह सुन कर खुश हो गया और उसके ऊपर लेट कर उसे किस करने लगा. तब उसने भी किस करते करते मेरे कपड़े उतार दिए. मैं अब निक्कर में रह गया था. मैंने मोनिका की पेंटी उतारी और बेड से उतर कर लेटी हुई मोनिका की चूत देखी, जो उत्तेजना के कारण टाइट और फूली हुई पड़ी थी. जैसे हम लड़कों का लंड खड़ा रहता है न.. यदि उसके पास लंड होता, तो अब तक उसकी पेंटी को फाड़ चुका होता.

मैं अपना निक्कर उतारने वाला ही था, तभी मोनिका बोली- रुको मैं उतारूंगी.

उसने बेड पर बैठ कर मेरा निक्कर उतारा और मेरे खड़े लंड को देख कर एकदम से मानो शॉकड हो गई. उसका मुँह फटा का फटा रह गया.

मैं बोला- क्या हुआ ? पहली बार तो देख नहीं रही हो.

तब वो बोली- हां, पर ये पहले से और ज्यादा लंबा और मोटा कैसे हो गया है.. कैसे हुआ ये ऐसा ?

मैंने कहा- तुमको याद कर करके मुठ मारने से ऐसा हो गया है. मैं तुमको याद करके दिन में 2-3 बार मुठ मारता था.

तब वो लंड को हाथ में लेकर बोली- सॉरी बाबू.. मैं अब इसको दुःख नहीं दूँगी.

ऐसा बोल कर मोनिका लेट गई. उसने अपनी दोनों टांगें हवा में उठा दीं और मेरी तरफ देख कर बोली- लो मेरी जान कर लो अपने मन की.

मैंने कहा- तुमको पता है मेरी और तुम्हारी पसन्द.. पीछे से डालने की है. जब तुम उल्टी लेटी हो, मैं तुम्हारे ऊपर सवार होकर जब लंड तुम्हारे बम्प्स से होकर तुम्हारी गांड के होल को टच कर के तुम्हारी चुत में पेलता हूँ.

वो बोली- बाबू वैसे करना अब मुझको पसन्द नहीं आता.

मैं बोला- क्यों ?

वो बोली- ऐसे ही.

मुझको शक हुआ तो मैंने जोर देकर पूछा. तब उसने बताया कि मेरे पति को भी ये ही स्टायल पसन्द है.. और ये भी सच है कि पीछे से पूरा नहीं जाता. तुमको पूरा डालना पसन्द है और बाबू मैं भी आपको पूरी तरह महसूस करना चाहती हूँ. मैं आज आपका पूरा अन्दर लेना चाहती हूँ.

ये बोल कर वो शर्मा गई. उसने अपना मुँह अपने हाथों में छिपा लिया.

मैंने वक्त को समझा, घुटनों के बल बैठ कर लंड को ठीक पोजीशन पर लगा दिया. उसकी

चुत को हाथों से चौड़ा करके मैंने लंड को उसकी चुत की फांकों के अन्दर रख दिया.. जहां से मैं कभी भी आंखें बंद कर के धक्का लगा सकूँ.

मोनिका तैयार थी, उसने अपनी बॉडी टाइट कर ली. पर मैं जानबूझ कर उसके पैरों को किस करने लगा. मैं कभी उसकी जांघों किस करता, कभी उसकी चूचियों को प्रेस करता. मैं ऐसा 2-3 मिनट तक करता रहा. उसको सेक्स चढ़ा था, उसने आंखें बंद की हुई थीं.

उसको जब ये ख्याल नहीं रहा कि लंड उसकी चुत में ही रखा है, तब वो कुछ बेख्याल सी हुई. मैंने उसी वक्त उसकी दोनों जांघों को पकड़ कर एक जोर का झटका मोनिका की चूत में दे मारा, जिससे पूरा लंड मोनिका की चुत में जड़ तक घुस गया था.

एकदम से लंड घुसने से मोनिका इतनी जोर से चिल्लाई, पर अब कुछ हो नहीं सकता था. मैंने मोनिका की जांघें पकड़ी हुई थीं, उसने उठ कर दर्द के मारे मुझको किस किया और मेरे लिप्स खा गई. जिसके निशान आज भी मेरे लिप्स पर बने हैं. मैं इसी वजह से कुछ देर रुक गया.

फिर मैं उसी पोजीशन में आगे पीछे होने लगा. मोनिका कुछ समय बाद फिर से लेट गई. अब मैं स्पीड से उसकी चुत में लंड आगे पीछे करने लगा. मोनिका ने मस्ती में अपनी आंखें बंद कर लीं और और उसकी आंखें निकलने लगीं.

‘आह फक मी रवि.. फक मी.. आ.. हा. और जोर से..’

मैंने मोनिका को उसी पोजीशन में उठाया और वहाँ पड़ी टेबल पर बिठा कर उसे चोदने लगा. धकापेल चुदाई हो रही थी. वो दो बार झड़ चुकी थी. अब मेरा भी निकलने वाला था. मैंने जोर जोर से झटके मार कर सारा माल मोनिका की चूत में भर दिया.

झड़ने के बाद हम दोनों निढाल होकर एक दूसरे से गले से लगे रहे. मेरा लंड चुत के अन्दर ही था. फिर हम अलग हुए और वाशरूम में गए, साथ में नहाए.

फिर हमारा फिर से वहीं मूड बन गया. तो मैं बाथटब में लेट गया, वो मेरे ऊपर आ गयी.
उसने मेरा लंड पकड़ कर चुत पर लगाया और हवा में गांड उछालने लगी.

उस दिन हम दोनों ने 3 बार सेक्स किया. फिर जल्दी मिलने का वादा करके घर निकल गए.

दोस्तो, बताना कि चुदाई की कहानी कैसी लगी.

ravikhana821@gmail.com

कहानी का अगला भाग : [इश्क विश्क प्यार वयार और लम्बा इन्तजार-5](#)

Other stories you may be interested in

प्यासी भाभी के साथ ओरल सेक्स का मजा

नमस्कार दोस्तो, मैं आरूष दुबे एक बार फिर से अपनी सेक्स कहानी का अगला भाग लेकर हाजिर हूँ. जितने भी मर्द पाठक हैं, वो अपना लंड हाथ में लेकर बैठ जाएं और जितनी भी लेडीज हैं, वो अपनी चूत में [...]

[Full Story >>>](#)

इश्क विश्क प्यार व्यार और लम्बा इन्तजार-5

दोस्तो, मैं आपका रवि खन्ना फिर से अपनी और मेरी गर्लफ्रेंड मोनिका की स्टोरी के 5वें भाग के साथ हाजिर हूँ. जो पाठक मेरे और मोनिका के बारे में नहीं जानते हैं, वो मेरी गर्लफ्रेंड के साथ सेक्स स्टोरी का [...]

[Full Story >>>](#)

प्यासी औरत को दिया चुत चुदाई का मजा

दोस्तो, मैं एक कॉल बॉय हूँ. मेरी उम्र 21 साल है. फिलहाल मैं अपनी स्नातक की पढ़ाई के तीसरे साल का स्टूडेंट हूँ. ये मेरी पहली सेक्स कहानी है, जो मैं काफी सोचने के बाद लिख सका हूँ. मैंने अन्तर्वासना [...]

[Full Story >>>](#)

क्लासमेट गर्लफ्रेंड की चुदाई उसी के घर में

मेरा नाम प्रखर है ओर मैं कानपुर उत्तर प्रदेश में रहता हूँ। मैं 5 फीट 7 इंच लंबा हू और मेरी उम्र 25 साल की है। देखने में मैं सामान्य सा हूँ। ना ज्यादा स्मार्ट हूँ ना ज्यादा खराब। मेरा [...]

[Full Story >>>](#)

लागी छूटे ना चुदाई की लगन-4

अब तक मेरी अन्तर्वासना की कहानी में आपने पढ़ा कि मेरी शादी उसी से हो गई जिससे मैं प्यार करती थी. शादी के बाद अपने मर्द के अलावा बाप से भी चुदने का मजा लेती रही. फिर बापू की उम्र [...]

[Full Story >>>](#)

